राजस्थान पुलिस अकादमी,जयपुर

कोर्स रिपोर्ट

"साइबर क्राइम अवेयरनेस प्रोग्राम फॉर पुलिस ऑफिसर"

Date 06-09-2022 to 08-09-2022 Course No. 43, Under CCPWC Project

राजस्थान पुलिस अकादमी, जयपुर में प्रशिक्षण निदेशालय, राजस्थान, जयपुर के निर्देशानुसार मिनिस्ट्री ऑफ हॉम अफेयर्स द्वारा प्रायोजित सीसीपीडब्ल्यूसी स्कीम के तहत "साइबर क्राइम अवेयरनेस प्रोग्राम फॉर पुलिस ऑफिसर" विषय पर दिनांक 06-09-2022 से 08-09-2022 तक 3 दिवसीय कोर्स आयोजित किया गया।

मुझ कोर्स निदेशक यतीन्द्र कुमार, पुलिस निरीक्षक, आरपीए तथा सहायक कोर्स निदेशक श्री मनोज रमन,जूनियर साइबर फोरेन्सिक कन्सलटेंट, आरपीए द्वारा कोर्स का सफल आयोजन करवाया गया। इस कोर्स में राजस्थान के विभिन्न जिलों से कुल 15 प्रतिभागियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई, जिसमें 15 उप-निरीक्षक रैंक के अधिकारी शामिल हुए।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ श्री नवज्योति गोगोई ,महानिरीक्षक पुलिस एंव अतिरिक्त निदेशक , आरपीए जयपुर द्वारा किया गया। श्रीमान द्वारा उदबोधन में साइबर क्राइम के बढते अपराधों तथा उनके रोकथाम व जागरूकता के संबंध में जानकारी दी गयी। प्रशिक्षण पूर्व सभी प्रतिभागियों का रजिस्ट्रेशन किया गया। साथ ही प्री कोर्स मूल्यांकन परीक्षा ली गयी।

प्रशिक्षण के प्रथम सत्र का आरंभ श्री मनोज रमन,जूनियर साइबर फोरेन्सिक कन्सलटेंट, द्वारा कम्पयूटर हार्डवेयर व अन्य इलेक्ट्रोनिक उपकरणों के साथ-साथ कम्प्यूटर हार्ड डिस्क, मदर बोर्ड के बारे में विस्तार से जानकारी प्रदान की गयी। अगले सत्र में श्री मनोज रमन,जूनियर साइबर फोरेन्सिक कन्सलटेंट, आरपीए द्वारा कम्प्यूटर उपकरणों तथा इन्टरनेट एवं मोबाईल टेक्नोलॉजी के बारे में विस्तार से जानकारी प्रदान की गयी व हैण्डसऑन भी करवाया गया। । बाद दोपहर श्री सोनू सिंह, साइबर एक्सपर्ट द्वारा सोशल मीडिया जैसे वॉटसएप, फेसबुक, इंस्टाग्राम आदि के बारे में जानकारी प्रदान कर उनको उपयोग में लेकर हैण्डसऑन भी करवाया गया।

प्रशिक्षण के दूसरे दिवस प्रथम सत्र श्री विकास कुमार, साइबर एक्सपर्ट द्वारा ऑनलाईन कैशलेस ट्रॉजेक्सन के बारे मे जानकारी प्रदान की गयी साथ ही डेबिट व क्रेडिट कार्ड, ई-वॉलेट, भीम एप, पेटीएम व एटीएम आदि के बारे में जानाकारी दी गयी व हैण्डसऑन अभ्यास भी करवाया गया। बाद दोपहर सभी प्रतिभागियों को एफ.एस.एल. जयपुर में ले जाया गया,जहां पर डा. विश्वाश भारद्वाज, सहायक निदेशक साइबर, एफ.एस.एल. जयपुर द्वारा Collection and Preservation of digital evidences Forensic tools in RPA, FTK - Hashing & Imaging and other OSINT Tools Collection and Preservation of digital evidences Forensic tools in RPA, FTK - Hashing & Imaging and other OSINT Tools Hands-on session के बारे मे जानकारी प्रदान की गयी।

अंतिम दिवस को प्रथम सत्र मन कोर्स निदेशक द्वारा लिया गया,जिसमें प्रासंगिक आईटी एक्ट व आईपीसी के बारें में जानकारी प्रदान की गयी। साथ ही साइबर क्राइम एफआईआर व रिपोर्ट में शामिल किये जाने वाले महत्वपूर्ण तथ्यों की जानकारी दी गयी,थानों में साइबर क्राईम एफआईआर के अनुसंधान हेतु पुलिस एप्स जैसे सीसीटीएनएस, राजकॉप, आईसीजेएस आदि के साथ-साथ थानों में आवश्यक साइबर क्राईम अनुसंधान टूल्स की जानाकारी दी। बाद दोपहर के सत्र में मन कोर्स निदेशक द्वारा साइबर क्राईम पीड़ितों की काउंसलिंग व एडवाइजरी के संबंध में बताया गया,साथ ही कुछ उल्लेखनीय साइबर क्राईम केसेज के अनुसंधान का अध्ययन करवाया गया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतिम दिवस दिनांक 18-08-2022 को प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल समस्त प्रतिभागियों से समग्र कोर्स का मूल्यांकन प्रपत्र भरवाया जाकर प्रशिक्षणोपरान्त सभी की पोस्ट प्रशिक्षण मूल्यांकन परीक्षा भी ली गयी। सभी प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षणोपरान्त एक पेन ड्राईव में प्रशिक्षण के दौरान पढाया गया तथा एमएचए द्वारा उपल्बध करवाया गया प्रशिक्षण अध्ययन सामग्री उपलब्ध करवायी गयी। कोर्स का समापन-समारोह अकादमी स्थित, सीसीपीडब्ल्यूसी लैब में किया गया, जिसमें श्री शैलेन्द्र इंदोलिया, आईपीएस, उप निदेशक एंव प्राचार्य , आरपीए जयपुर द्वारा समापन उद्बोधन व प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र व ग्रुप फोटो प्रदान किये गये। प्रशिक्षण कार्यक्रम के अन्त में मुझ कोर्स निदेशक द्वारा श्री शैलेन्द्र इंदोलिया , उप निदेशक एंव प्राचार्य महोदय, आरपीए जयपुर व कोर्स के संचालन में सहभागियों एवं प्रतिभागियों का धन्यवाद ज्ञापित कर कोर्स समाप्ति की घोषणा की गई।

भवदीय,

(यतीन्द्र कुमार)
पुलिस निरीक्षक एवं
कोर्स निदेशक,(CCPWC)
आर.पी.ए. जयपुर